



14<sup>th</sup> Nov 2024

# BALCO TODAY

**Employee  
Volunteering  
at Vedanta Skill  
School**





# CHAIRMAN CORNER



**Anil Agarwal**  @AnilAgarwal\_Ved · 5h

Today as we celebrate the joy and dreams of every child, let's support them to grow, shine, and make a better world with our rich Indian sanskar and sanskriti. Won't that be fantasticccccc!??

Happy #ChildrensDay!



## Anil Agarwal

Chairman, Vedanta Limited





# QUALITY in Potline

Here's what the team has to say -

“

As the head of the potline, I believe that quality is the cornerstone of our operations. It is not just about meeting standards but about continuously striving for excellence at every step, from relining and startup pots to ensuring consistent metal purity. By maintaining strict adherence to quality measures, we not only optimize performance but also ensure the long-term sustainability and success of our potline.

”

**Niket Shrivastava ( Head Potline )**

“

पॉटलाइन में गुणवत्ता हमारे काम का आधार है। एक मेटल सैंपलर के तौर पर मैं जानता हूँ कि हर एक सैंपल की सटीकता और गुणवत्ता से उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया प्रभावित होती है, जो यह सुनिश्चित करती है कि हम उच्चतम मानकों के अनुरूप उत्पादन कर रहे हैं।

”

**Nilesh Kumar Kanwar ( Metal Sampler )**

“

As a Shift Incharge in process control, quality in the potline is about consistency and precision. By closely monitoring every parameter and maintaining stable operations, we ensure efficient production, reduce defects, and prolong the life of our equipment.

”

**Ashish Kumar Upadhyay  
( Shift Incharge Process Control )**

“

As a Team Member, I see Quality in the potline is the silent architect of success—it shapes every pour, every process, and every pot. When we elevate quality, we not only craft superior aluminum but also build the foundation for operational brilliance and future breakthroughs.

”

**Dakshata Yogi  
( Team Member, Process Control )**

“

पॉटलाइन में गुणवत्ता हमारे काम की बुनियाद है। एक माप तकनीशियन के तौर पर मेरा मानना है कि सही माप और सटीक निगरानी से ही हम प्रक्रिया को सही दिशा में रख सकते हैं, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ती है तथा साथ में संचालन की दक्षता भी सुनिश्चित होती है।

”

**Arvind R Ruyarkar  
( Process Technician )**

“

As the Head of Process Control, I believe quality in the potline is the foundation of everything we achieve. It's not only about meeting standards but elevating them—ensuring that every ounce of metal produced reflects our commitment to precision, reliability, and continuous improvement. Quality is our guarantee to customers, our edge in innovation, and the pathway to a sustainable and efficient future.

”

**Abhishek Patel  
( Head Process Control )**

“

As a lead in operations, I view quality in the potline as the backbone of our success. It's the key to ensuring consistent performance, minimizing waste, and maximizing efficiency, all while delivering superior products that meet the highest industry standards.

”

**Prakant Sinha  
( Head Operations )**



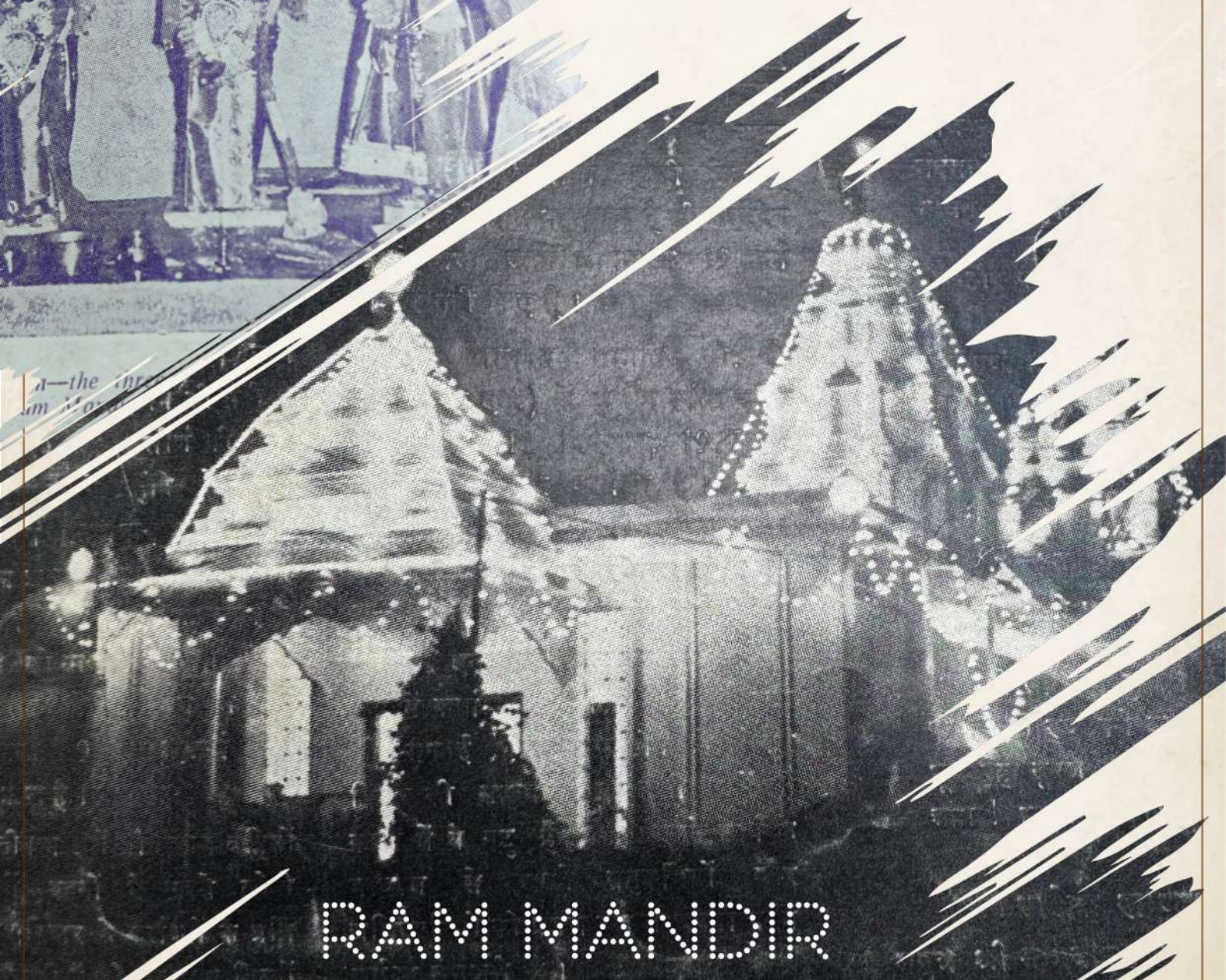


# यादों का एक खूबसूरत सफर

Here's a glimpse of Ram Mandir in BALCO Township, a place of peace and devotion. A beloved spot for everyone since its early days, offering a quiet moment of reflection amidst the hustle of daily life.



a—the thr  
am is o



RAM MANDIR



14<sup>th</sup>  
NOV  
2024

**BALCO's**  
**VOLLEYBALL**  
**PREMIER**  
**LEAGUE**  
**2024**



Round 1 - Match 20

Township

**VS**

Power Infra

🕒 | 5:45 - 6:20 PM

MATCH 21

Railway Logistics

**VS**

Cast Busters

🕒 | 6:30 - 7:00 PM

MATCH 22

Coal Shakti

**VS**

Bakeoven

🕒 | 7:00 - 7:30 PM

MATCH 23

Potroom Stars

**VS**

Volleywood Stars

🕒 | 7:30 - 8:00 PM

MATCH 24

Parsabhata  
Panthers

**VS**

RP Strikers

🕒 | 8:00 - 8:30 PM



Day  
5

13<sup>th</sup> Nov 2024

BALCO's  
**VOLLEYBALL**  
PREMIER  
LEAGUE  
2024



# Congratulations



Match : 16



Kings Eleven



VS

SRS Hurricanes

Match : 17



HR Females



VS

O & M Females

Match : 18



Project  
Females



VS

Finance Females

Match : 19



Security  
Spikers



VS

Hospital Females



BALCO employees volunteered at the Vedanta Skill School, conducting a series of informative sessions on financial management, career guidance, Skill Development. These sessions, aimed at fostering personal growth and development, were designed to equip the younger generation with the skills and knowledge needed to make informed decisions about their futures. Through this volunteering initiative, BALCO aims to empower and shape the future of children and young individuals, encouraging them to take charge of their lives and careers.

























# Inculcating Healthy Habits in Kids

## #MakingEveryHandwashCount





# Don't miss another update from **BALCO!**

Join the Exclusive  
**WhatsApp  
Channel**  
**Now!**



SCAN HERE TO JOIN





# STAY ALERT AGAINST DENGUE AND PROTECT YOUR FAMILY



## Precautions to Prevent Dengue

- Avoid stagnant water in and around your home
- Cover all water tanks, containers, and drainage points
- Clean water coolers, utensils, and containers regularly
- Wear clothing that covers the body to prevent mosquito bites



Precautions to Prevent Dengue

## Symptoms of Dengue Fever

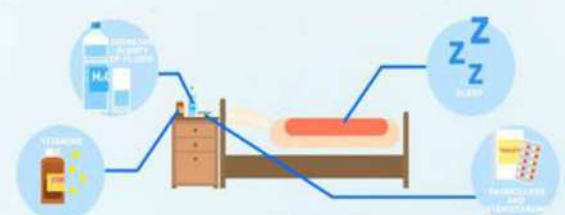
- High fever
- Severe headache and body pain
- Muscle and joint pain
- Skin rashes
- Pain behind the eyes
- Nausea and vomiting



Symptoms of Dengue Fever

## What to Do If Dengue Occurs

- Seek medical advice immediately
- Drink plenty of water
- Consume nutritious food
- Get plenty of rest



What to Do If Dengue Occurs



***FOLLOW KALINGA LANCERS ON***





# SAFETY CORNER

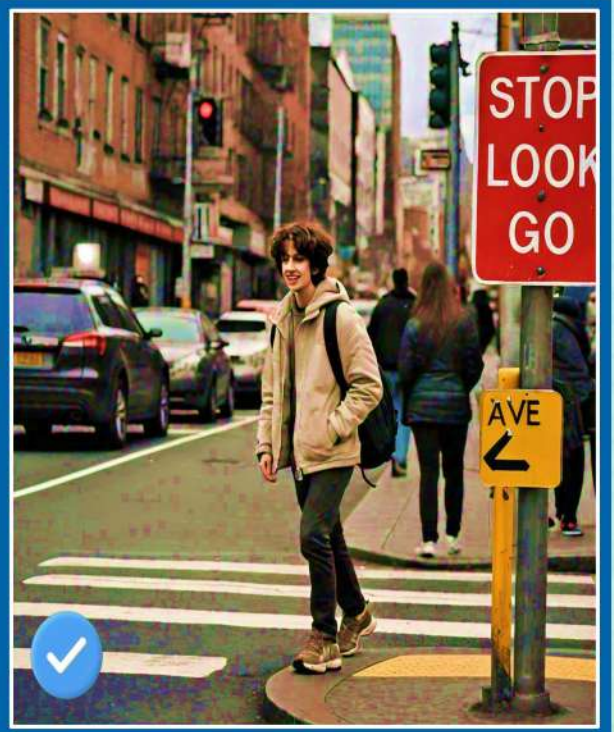
## How to Cross the Road?

### सड़क कैसे पार करें ?



**Incorrect**  
Person is watching  
mobile and  
crossing the road

**गलत**  
व्यक्ति मोबाईल देख रहा है  
और सड़क पार कर रहा है।



**Correct**  
To cross the road, stop  
at a crosswalk, look both  
ways and then cross when  
it is safe.

**सही**  
सड़क पार करने के लिए जेबरा  
क्रासिंग पर रुकें, दोनों तरफ देखें  
और फिर सुरक्षित होने पर पार करें।



# बालको में कला एवं साहित्य का रहा समृद्ध इतिहास

फीचर इमीक्ट

**बालकोनगर।** भारत एक बहुसांस्कृतिक देश है जहाँ क्षेत्रीय आधार पर नृत्य, संगीत, रंगमंच, की विविधता देखने को मिलती है। देश के प्रत्येक राज्य की सभी संस्कृतियों एवं परंपरा को एक मंच पर लाकर बालको ने इस क्षेत्र को गिनी इंडिया बना दिया। कला विचारों और भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम है। कला एवं साहित्य से लोग समान विश्वास, दृष्टिकोण और मूल्यों को साझा करते हैं। बालको देश की कला, साहित्य एवं संस्कृति के समृद्ध इतिहास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी नगरवासियों के मनोरंजन के लिए समयांतराल पर कला एवं साहित्य से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। 1976 में बालको क्लब द्वारा गात्ता फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया गया जिसमें 20 कंप्यूटर फिल्मों जंजीर, अभिमान, आनंद, अनुपमा, हम दो और नया दौर को दिखाया गया। मराठूर नाट्य निर्देशक हबीब तनवीर द्वारा 1977 में 'नया थियेटर' के अंतर्गत हास्य नाटक 'चरणदास चोर' तथा 'गाँव का नाम ससुराल, मोर नाम दमाद' का तथा बालको कर्मचारियों द्वारा गठित सांस्कृतिक समिति 'बानी कुंज' ने तरुण अर्पिण ऑफ कलकत्ता द्वारा स्पार्टाकस नाटक का सफल मंचन किया। आंध्र समिति द्वारा बहुभाषी संगीत प्रतियोगिता में हिंदी, छत्तीसगढ़ी, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और तमिल भाषा के गाने प्रस्तुत किए गए। कुछ महीने के अंतराल में समिति ने पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। आंध्र मित्र कला मंडली द्वारा 1978 में राजागुट्टी से 'दुर्गा कुचिपुडी नृत्य कलाशाळा' समूह को कुचिपुडी नृत्य के लिए बुलाया था। समूह ने 18 तरीकों के कला तथा लोकनाट्य को प्रदर्शित किया जिसमें बालगोपाल, गोला कलापम, भष्मासुर, कुचिपुडी, भारतनाट्यम और कथककली आदि की प्रस्तुति शामिल थी। इसी साल केरल समाजम् द्वारा कोल्लम से कला मंडलम गंगाधरम एंड पाटी ऑफ इंडियन डॉस एकेडमी को बुलाया गया था, जिन्होंने अनेक नृत्य एवं नाट्य, शिल्पी, कालीदास आदि की प्रस्तुति पेश की। महिलाओं ने कैकोट्टिकली तथा बच्चों ने खानाखबरम् ( महाबली चरित्रम्) की मनमोहनी प्रस्तुति दी। इसी साल एक 'बानी कुंज' कमेटी ने टैगोर के नाटक विजांगदा और शांमोचन तथा बालको मलयाली एसोशिएशन (बीएफए) ने ओपम के अवसर पर प्रसिद्ध सोशल ड्रामा ज्वलनम् का मंचन तथा नृत्य का आयोजन किया। 1979 में हिंदी दिवस के अवसर पर अभिव्यक्ति साहित्य एवं नाट्य समिति द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में सर्वश्री मनोहर मनोज, संदीप सपन, रामप्रताप सिंह विमल तथा अंजुम रहवर एवं पूर्णिमा निगम ने भाग लिया। बालको कल्याण विभाग एवं कोरबा की साहित्य संस्था 'सौरभ साहित्य समिति' के संयुक्त प्रयास से आयोजित 'सरस कवि सम्मेलन' में अखलाक सागरी, लक्ष्मण मस्तुरीर, सरफुद्दीन गिलाल ने कविता पाठ किया। बालको द्वारा 1980 में 15वें वार्षिकोत्सव की संख्या बेला पर प्रसिद्ध नृत्यांगना और पद्यश्री यमिनी कुष्णामूर्ति ने भरतनाट्यम नृत्य किया। रामलीला मैदान में आयोजित कव्वाली में कलकत्ता से कव्वाल सुश्री कामिनी नाज तथा गुलाम कादिर परवेज ने अपने कव्वाली से सभी नगरवासियों का मनोरंजन किया। 1982 के कवि गोष्ठी कार्यक्रम को आकाशवाणी, रायपुर से तीन सदस्यीय दल रिकार्ड करने आए। श्रीमक, विद्यार्थी तथा बालको महिला मंडल से हुए बातचीत तथा अन्य कार्यक्रम को 12 अगस्त के दिन प्रसारित किया था। भोपाल भोजपुरी समाज द्वारा भोजपुरी हास्य नाटक 'लोहासिंह ने डाकटरी की' का सफल मंचन तथा आकाशवाणी, भोपाल के कलाकार सर्वश्री अशोक सिंह, मेहरा सिंह तथा श्रीमती रत्ना दत्ता ने अपने आवाज का जादू बिखेरा। लेंडिज क्लब द्वारा तीज उत्सव पर संगीत एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें रूसी महिलाओं ने भी गीत तथा समूह गान किया। इसी साल अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त 'राडोस्ट' रूसी लोकनृत्य पर सोवियत (रूस) के कलाकारों ने अपने प्रस्तुति से सभी को लाजवाब कर दिया था। वर्ष 1984-85 में भारत सरकार के खान विभाग ने अपने उपक्रम और संगठनों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के उद्देश्य से राजभाषा शील्ड, राजभाषा ट्रॉफी और राजभाषा कप प्रदान करने की योजना शुरू की थी। इसी साल हिंदी में उत्कृष्ट योगदान के लिए बालको को पहली बार ही राजभाषा शील्ड का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। 1985 में महम्मद मोहम्मद रफी की पांचवी पुण्य तिथि के अवसर पर गजलों श्री राम 'याद-ए-



रफी' का सफल आयोजन किया। छत्तीसगढ़ सांस्कृतिक मंडल ने 'मशीन', 'मूर्गीवाला' तथा 'जनता पागल' है लघुनाटक की प्रस्तुति दी। इसी साल बालको ने 'संगीत सरिता' (बालको कर्मचारियों की संस्था) तथा सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, बालको के तत्वाधान में शानदार कव्वाली का आयोजन किया गया। इसमें कलकत्ता के कव्वाल भोला अनवर तथा हुमा वारसी को बुलाया गया था। बालको द्वारा संगीत संख्या के आयोजन में भिलाई के विश्वात सितारवादक नितिन ताम्हनकर, बांसुरीवादक तापीकर, तबलावादक बी.एस भट्टी एवं भुवैया तथा गायन में श्रीमती सोनी तथा डी. के. गंधे ने अपनी प्रस्तुति दी। 1986 में राष्ट्र कवि स्वर्गीय मैथिलीशरण गुप्त की जन्म-शताब्दी के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें देश के सुप्रसिद्ध हास्य और व्यंग के लोकप्रिय जनकवियों तथा गीतकारों को आमंत्रित किया गया था। इसमें सर्वश्री सुरेन्द्र शर्मा, संतोष आनंद, ओम प्रकाश आदित्य, हरि ओम पंवार, अशोक चक्रधर और पुरुषोत्तम प्रतीक उपस्थित थे। हिंदी में बालको के योगदान को देखते हुए 1987 में इस्पात एवं खान मंत्रालय, खान विभाग के अधीन उपक्रम और संगठन के सेमिनार को बालको कोरबा संयंत्र में आयोजित करने का निर्णय लिया गया था। सेमिनार का विषय 'धातु उद्योग-समस्याएं और चुनौतियां' थी। श्रीराम दत्तार के नाम से देश-विदेश में सुविख्यात शर्मा बंधुओं सर्वश्री गोपाल, शुकदेव, कौशलेन्द्र व राघवेंद्र शर्मा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। 1988 में बालको सार्वजनिक दुर्गा पूजा कमेटी द्वारा सुप्रसिद्ध पद्यश्री तीजनाबाई के पंडवानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पंडवानी लोक गीत-नाट्य की पहली महिला कलाकार तीजनाबाई पद्यश्री, पद्य भूषण और पद्य विभूषण से अलंकृत है। 1992 में भारतल ल. भीमवार अवेर्डकर जन्मशताब्दी पर अवेर्डकर के जीवन से संबंधित परिचर्चा, विचार-गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा कवि सम्मेलन आदि कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। 1995 नेशनल शेफटी कौंसिल, मध्य प्रदेश चैप्टर के रजत जयंती समारोह के अवसर पर भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स (बीएचएल), भोपाल में त्रि-दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया था। सेमिनार में बालको सांस्कृतिक मंडल द्वारा 'असुरधित का जनाज' नामक नाटक प्रस्तुत किया था। नाटक की लोकप्रियता को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय सेफटी कौंसिल में भी प्रस्तुत करने के लिए चुना गया था। बालको क्रिड़ा एवं सांस्कृतिक परिषद ने 1998 में छठे लोक कला महोत्सव के अवसर पर भिलाई, बस्तर, रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर तथा कोरबा आदि विभिन्न स्थानों के प्रसिद्ध कलाकारों ने भाग लिया था। प्रसिद्ध भवई नृत्य कलाकार श्री तुलसी राम ने सिर पर गिलास तथा उसके ऊपर ग्यारह घड़े रखकर डॉस प्रस्तुत किए। बालको ने संदेव ही स्थानीय कला एवं साहित्य को बढ़ावा दिया है। छत्तीसगढ़ के म्यूरल, गोंकरा एवं भित्ती कला एवं कर्मा नृत्य को प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी ने अनेक मंच प्रदान किए हैं। विगत कई वर्षों से कंपनी अपने कैलेंडर में छत्तीसगढ़ के समृद्ध कला एवं संस्कृति को संजोने के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया है। भाषा की उपयोगिता को समझते हुए कंपनी ने हिंदी दिवस के अवसर पर काव्य गोष्ठी तथा कला को बढ़ावा देने के लिए फोटोग्राफी प्रदर्शनी 'मलहर' का आयोजन किया है। बालको हमेशा से भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए कटिबद्ध रहा है।

## #KhabreKhas

14<sup>th</sup> Nov 2024



**दैनिक भास्कर**

**Central Chronicle**

## BALCO's enduring legacy in Arts and Literature

**KORBA:** BALCO has been committed to promoting arts and literature, transforming its township into a cultural hub since the 1970s. Its dedication to cultural appreciation has been evident through countless events celebrating music, dance, and literature. BALCO's journey began in 1976 with a film festival at the BALCO Club, featuring iconic films like Zanjeer, Abhimaan, and Anand. This festival set the tone for a series of artistic events blending education with entertainment. In 1977, BALCO hosted acclaimed theatre director Habib Tanvir's Charandas Chor and

Gaon Ka Naam Sasural, Mor Naam Damaad, attracting thousands. That year also saw a multilingual music competition organized by the Andhra Committee, highlighting India's linguistic diversity with performances in Hindi, Chhattisgarhi, Telugu, Malayalam, Bengali, and Tamil. Later, Bani Kunj, a cultural group within BALCO, organized the staging of Spartacus by Tarun Opera from Kolkata. The following year, BALCO's Andhra Mitra Kala Mandali invited the Durga Kuchipudi Nriya Shala to present 18 traditional folk dramas, including Balgopal and Bhasmasur, along



with classical dances like Kuchipudi and Bharatanatyam. A five-day drama competition soon followed, featuring plays in Hindi, Bengali, Telugu, Chhattisgarhi, and Malayalam. Additionally, a painting competition was organized, showcasing the artistry of the community. Festivals like Onam celebrated regional cul-

ture, with the Malayali Association hosting the social drama Jwalanam. Classical performances by Kalamandalam Gangadharan and the Indian Dance Academy from Kollam captivated audiences, while Tagore's Chitrangada and Shaap-mochan were introduced by Bani Kunj. In literature, BALCO's contributions were

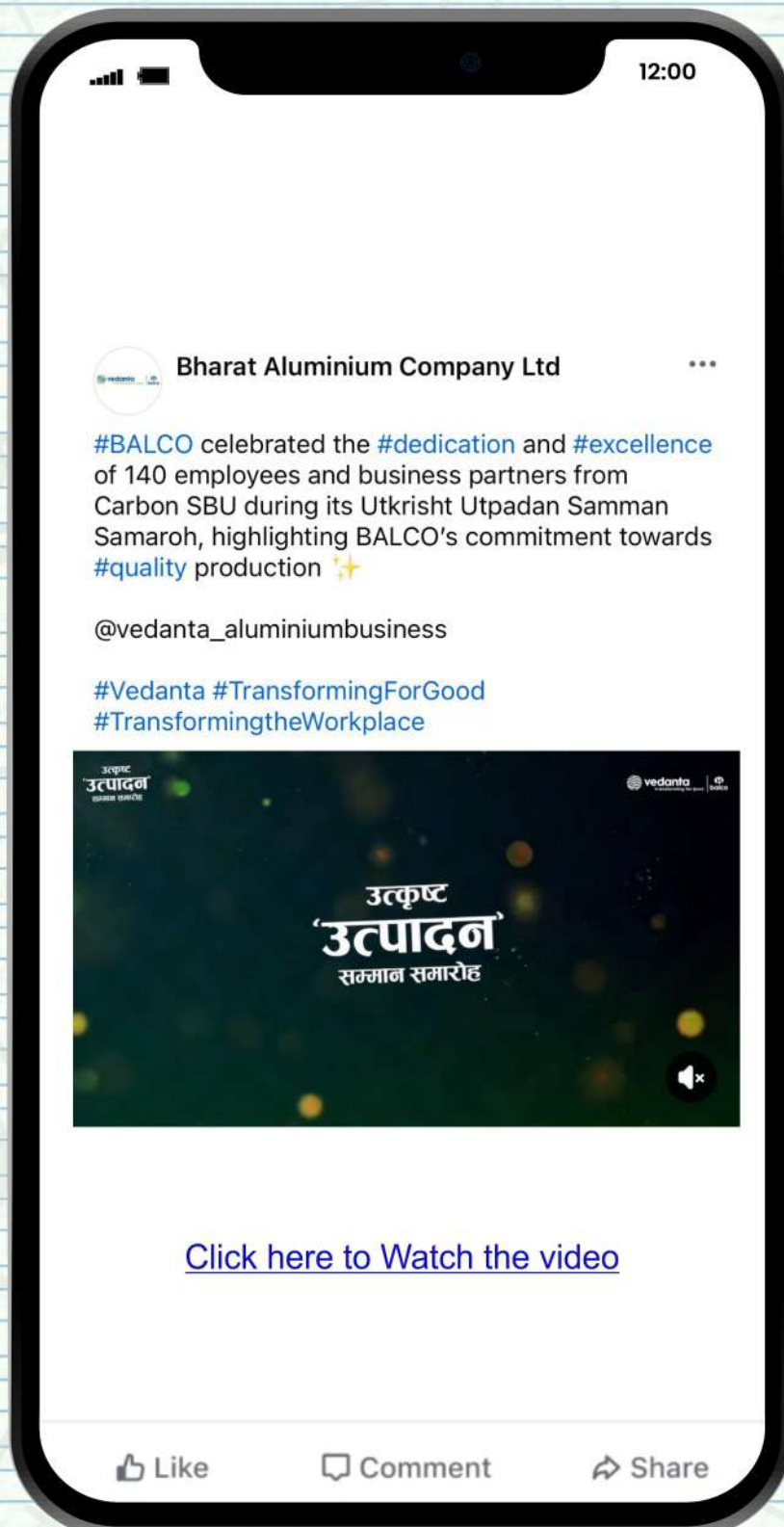
equally impactful. In 1979, the Saras Kavi Sammelan poetry symposium featured prominent poets like Akhlaq Saghri, Laxman Masturahi, and Sarfuddin Tigala. Later, on Hindi Diwas, Abhiyakti Sahitya and Natya Samiti invited Manohar Manoj, Anjum Rehbar, and Sandeep Sapan for another poetry event. These gatherings underscored BALCO's dedication to literature and linguistic heritage. In 1980, BALCO celebrated its 15th anniversary with a grand event headlined by Bharatanatyam artist Yamini Krishnamurthy, attended by thousands.

Following this, a memorable qawwali performance by Kamini Naaz and Ghulam Qadir Parvez took place. Radio broadcasts also amplified BALCO's cultural impact; in 1982, All India Radio Raipur recorded a program featuring poems, music, and interviews with workers. The company later invited artists from AIR Bhopal, who showcased plays like Lohasingh Ne Dakteri Ki. BALCO embraced international art forms, too. During Teej, the Ladies' Club organized an event where Russian women performed songs, and the famous Russian folk dance Radost was staged. Pro-

moting Hindi, BALCO earned its first Rajbhasha Shield from the Ministry of Mines in 1984 for fostering the language's use in official settings. Honoring notable artists and social figures was also a BALCO tradition. In 1985, Yaad-e-Rafi, a tribute to Mohammed Rafi, was followed by a dramatic performance by a dramatic performance by the Chhattisgarh Cultural Mandal. BALCO commemorated the birth anniversaries of cultural figures like Maithilisharan Gupt, inviting poets such as Surendra Sharma and Santosh Anand. This play was later featured at the International Safety Council, reflecting BALCO's commitment to using arts for social impact. (IF)



# MEDIA CORNER



[Click here to Watch the video](#)

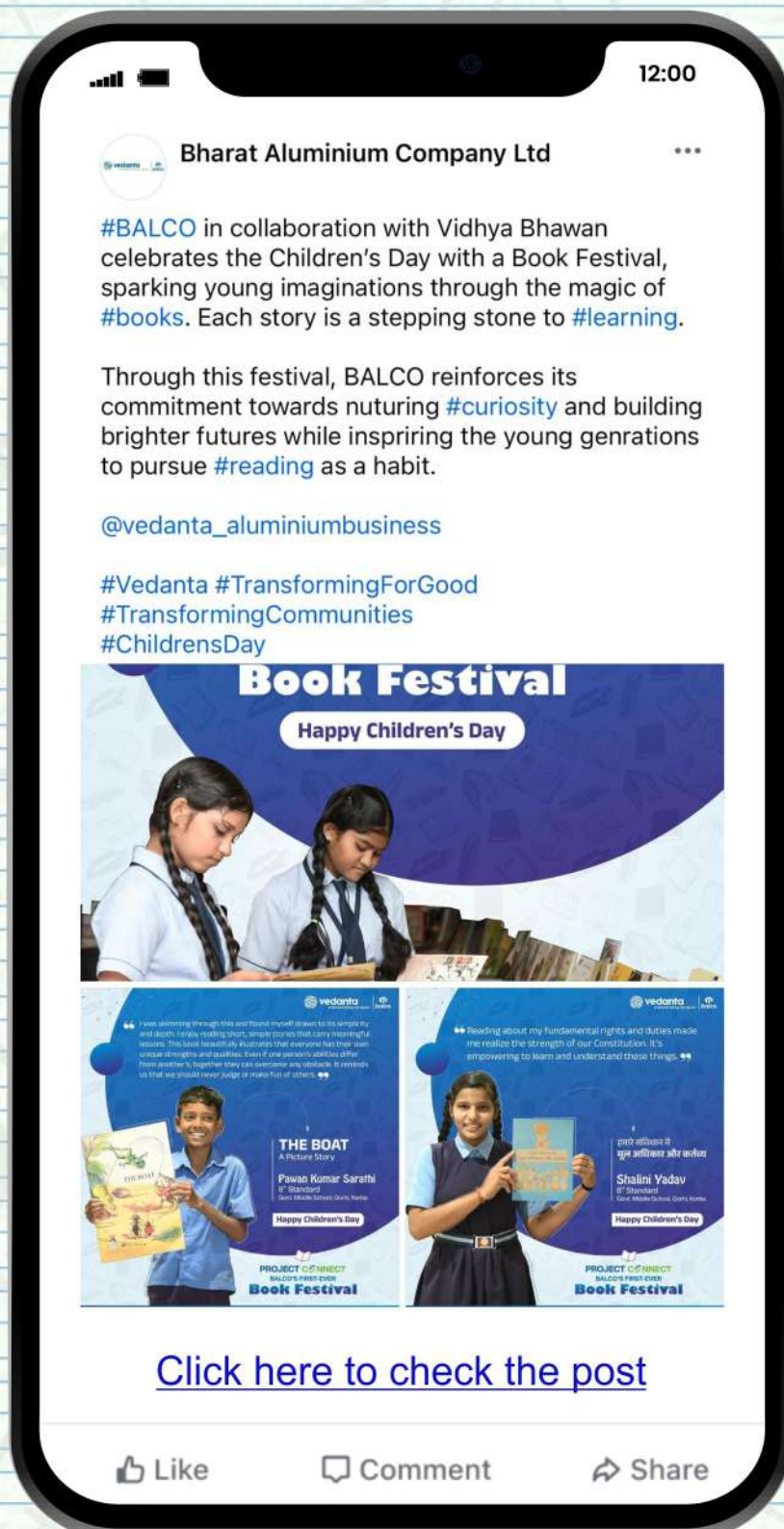
Like

Comment

Share



# MEDIA CORNER







# Team BALCO Today

Conveys Heartiest Greetings To

14<sup>th</sup>  
Nov  
2024

Kamlesh Kumar Chandrakar  
Ravishankar Adiley  
Abhishek Singh  
Vinayak Vijaykumar Gawali

Pot Room  
Pot Room  
Power-2  
SRS

15<sup>th</sup>  
Nov  
2024

Prakash Kumar Ratrey  
Prakash Kumar Ratrey  
Prakash Kumar Ratrey

Pot Room  
Pot Room  
Project

HAPPY  
*Birthday*





### Effective Strategies to Improve Employee Engagement



Ensure a great onboarding experience



Provide relevant career development opportunities



Empower employees to discover their potential



Appreciate their individual & combined achievements



Promote open, honest & transparent communication

### R & R CATEGORY

1. Best Idea of the month
2. Max. Idea Generator
3. Quick 5 Ideas



HOW TO..... **BOOST**   
**PEOPLE**  
 **ENGAGEMENT**

Share your ideas through  
Idea@Balco Mobile App/ Portal  
using this link  
<https://idea.balco.in:8047/dr/login>  
Use tag word #PID# before  
mentioning ideas



To Login in Idea @Balco





# BALCO CENTRALIZED

## Security Operation Center



### INCIDENT

Theft, Threat, Vandalism, Fraud  
Malpractice, Wild Animal Attack



### ISSUES

Traffic Jam, Card Not Working  
Lack of Support at Entry Gates



### VIOLATIONS

Unsafe Act, Unsafe Conditions  
Traffic



### SUSPICIOUS MOVEMENT

Person Behaving/Acting in  
Suspicious Manner



### YOUR ABSENCE AT HOME

Away on Holidays for Few  
Days

We Are Manned 24x7 & Available At:

 **9179083488, 7759252655**

 **BALCO.SOC@Vedanta.co.in**

Sec\_rity is incomplete Without "U"



# DO SHARE YOUR

interesting pieces with us like

- ◆ Poem ◆ Sketch ◆ Drawing
- ◆ Art content ◆ Own Articles
- ◆ Photograph with good captions
- ◆ Success / Inspirational stories
- ◆ Travel Story
- ◆ Balco Plant Events
- ◆ Achievements etc.

We will try to capture them in

**BALCO TODAY**

**YOU CAN REACH OUT TO US -**

Ritesh Siraj  
9911836450

Prakhar Singh  
9111147484

Shivani Pachori  
8830960726